भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2276

दिनांक 15 मार्च, 2022 के लिए प्रश्न

पशुओं के लिए राजसहायता प्राप्त खाद्यान्न

2276. श्री दुर्गा दास उइके:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उन्हें रियायती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है,

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार ऐसी किसी योजना पर कार्य कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा पशुधन के लिए किफायती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने की संभावना है;

(घ) क्या देशभर में पशुओं को गुणवत्तापूर्ण चारा नहीं मिलने से पशुओं के स्वास्थ्य के साथ-साथ उनका दुग्ध उत्पादन प्रभावित हो रहा है; और

(ङ) क्या सरकार द्वारा इस संबंध में कोई सर्वेक्षण किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) और (ख) पशुपालन राज्य का विषय है। विभिन्न राज्यों ने पशुधन के लिए रियायती दर पर आहार और चारा उपलब्ध कराने के लिए अपनी-अपनी योजनाएं शुरू की हैं। यह मंत्रालय इस दिशा में राज्य सरकारों के प्रयासों को संपूरित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, भारतीय जीव-जंतु कल्याण बोर्ड सामान्य अनुदान के तहत सीमित पैमाने पर जीव-जंतु कल्याण संगठनों को आहार और चारा उपलब्ध कराने के लिए सहायता दे रहा है। साथ ही, इस मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित योजनाएं, 'राष्ट्रीय पशुधन मिशन' और 'पशुपालन अवसंरचना विकास निधि' पशुधन मालिकों को पशु चारा की उपलब्धता बढ़ाने में सक्षम बनाती है।

(ग) विभिन्न राज्य सरकारें ऐसी योजनाएं लागू कर रही है जिनमें सस्ती दर पर खाद्यान्नों के बजाय पशुओं के चारे की आपूर्ति शामिल है।

(घ) और (ङ) जी हां, गोपशुओं को यदि गुणवत्तापूर्ण चारा प्राप्त नहीं होगा तो उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ दूध उत्पादन भी प्रभावित होगा। पूरे भारत में विभिन्न अनुसंधान अध्ययन हुए हैं जो यह दर्शाते हैं कि गुणवत्तापूर्ण चारे की अनुपलब्धता देश में गोपशुओं के स्वास्थ्य के साथ-साथ दूध उत्पादन को भी प्रभावित करती है।

*****